सर, मेरा सब्मिशन यह है कि proxy war का यही तरीका है। इसको सरकार को एक शॉट में ही करना चाहिए। स्पेशली पंजाब के bordering area में जो अमृतसर और तरनतारन है, यहां पर बहुत ज्यादा ड्रोन्स की एक्टिविटीज हैं।..(समय की घंटी)... मैं आपके माध्यम से सरकार से रिक्वेस्ट करता हूँ कि यह doable है, इसलिए इसको किया जाए।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by Shri Sandeep Kumar Pathak:- Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Shri Sujeet Kumar (Odisha), Shrimati Jebi Mather Hisham (Kerala), Shri Prakash Chik Baraik (West Bengal), Shri Saket Gokhale (West Bengal), Shri R. Girirajan (Tamil Nadu) and Dr. John Brittas (Kerala).

श्री उपसापति : धन्यवाद, माननीय संदीप जी। माननीय डा. सिकंदर कुमार।

Misleading facts related to Indian history mentioned in the Museum of Union Public Service Commission, New Delhi

डा. सिकंदर कुमार (हिमाचल प्रदेश) : मान्यवर, मैं एक गंभीर विषय की ओर आपका ध्यान दिलाना चाहता हूँ, जो कि भारत के इतिहास के ऐतिहासिक तथ्यों के संबंध में संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली के संग्रहालय में उल्लेखित इतिहास के तथ्यों के भ्रमित प्रचार के संदर्भ में है। इस संग्रहालय में प्रदर्शित इतिहास में महान योद्धाओं और प्रशासकों के योगदान के बारे में तथ्यों की गलत व्याख्या की गई है। इनमें अलाउद्दीन खिलजी, शेरशाह सूरी और मुगलों जैसे आक्रमणकारियों को भारतीय इतिहास में सबसे महान योद्धा और प्रशासक बताया गया है तथा भारतीय इतिहास के महान योद्धाओं व प्रशासकों, गुप्त सम्राटों, चोल सम्राटों, विजयनगर सम्राटों, मराठा सम्राटों आदि के ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित योगदान का उल्लेख ही नहीं है, जिसके कारण इस संग्रहालय में आने वाले भारतीय और विदेशी आगंतुकों द्वारा गलत ऐतिहासिक तथ्यों को सत्य मान कर भविष्य की पीढ़ी को गलत संदेश जा रहा है। इससे वर्तमान भारत में सांस्कृतिक और ऐतिहासिक भ्रमित तथ्यों का प्रचार होगा, जिसका असर आने वाले भविष्य पर पड़ेगा।

माननीय उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से आग्रह करना चाहता हूँ कि भारतीय इतिहास के ऐतिहासिक तथ्यों, जो कि संघ लोक सेवा आयोग के संग्रहालय में उल्लेखित हैं, उनका अविलंब निराकरण करवाया जाए और भारतीय इतिहास के महान योद्धाओं व प्रशासकों, गुप्त सम्राटों, चोल सम्राटों, विजयनगर सम्राटों, मराठा सम्राटों आदि के ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित असीम योगदान को रेखांकित करवाया जाए, धन्यवाद।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by Dr. Sikander Kumar:- Shri Brij Lal (Uttar Pradesh), Dr. Bhagwat Karad (Maharashtra), Dr. Sumer Singh Solanki (Madhya Pradesh), Shri Naresh

Bansal (Uttarakhand), Dr. Anil Sukhdeorao Bonde (Maharashtra), Shri Ram Chander Jangra (Haryana) and Dr. Kalpana Saini (Uttarakhand).

Concern over damage caused to crops by wild animals in Morni Hills area of Haryana

श्री कार्तिकेय शर्मा (हरियाणा) : उपसभापति महोदय, मैं सदन का ध्यान हरियाणा की मोरनी हिल्स क्षेत्र में किसानों द्वारा झेली जा रही एक गंभीर समस्या की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। इस क्षेत्र में जंगली जानवरों द्वारा फसलों की बर्बादी एक बहुत बड़ी चुनौती बन चुकी है। वहां वर्षों से किसान इस समस्या से जूझ रहे हैं, लेकिन अब स्थिति इतनी विकट हो गई है कि किसानों का खेती करना कठिन होता जा रहा है। इन क्षेत्रों में लगभग 393 गांव हैं, 26 पंचायतें हैं और 22,000 लोग रहते हैं। इनमें करीब 65% लोग हल्दी, टमाटर और आलू जैसी सब्जियों की खेती करते हैं।

महोदय, पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण यहां के किसान पहले से ही पानी की कमी से परेशान रहते हैं और उनको इन समस्याओं का सामना करते हुए भी किसानी करनी पड़ती है। उसके बाद, जब बड़ी मुश्किलों से फसल खड़ी होती है, तो उनको जंगली जानवरों से नुकसान का डर बना रहता है। इंडियन काउंसिल आफ एग्रीकल्चर रिसर्च (आईसीएआर) द्वारा इंडियन जर्नल ऑफ ऐनिमल साइंसेज में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, हाथी और नीलगाय जैसे वन्य जीव 10 राज्यों में 30% से 50% तक अनाज और बागबानी फसलों को खा जाते हैं या नष्ट कर देते हैं। हाल ही में, "प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना" की कवरेज में जंगली जानवरों के हमले से होने वाले फसल नुकसान को भी शामिल किया गया है। यह सरकार का एक बहुत ही सकारात्मक कदम है, लेकिन किसान और वन्य जीवों, दोनों के हितों की सुरक्षा के लिए एक राष्ट्रीय रोकथाम नीति बनाने की अति आवश्यक जरूरत है, ताकि फसल को नष्ट होने से पहले ही बचाया जा सके।

महोदय, हम इससे होने वाले आर्थिक नुकसान की बात करें या मानव-पशु संघर्ष के खतरे की बात करें, इस समस्या के ऐसे कई गहरे प्रभाव हैं। एक किसान जब महीनों की मेहनत करके अपनी फसल खड़ी करता है और ऐन मौके पर उसकी फसल नष्ट हो जाती है, तो उसके ऊपर जो आर्थिक तथा अन्य समस्याएं आती हैं, ये वही जानता है, इसलिए हमें उनका संज्ञान लेना चाहिए। इस समस्या के जो प्रमुख कारण हैं, उनमें मुख्यतः वन क्षेत्र का सिमटना और संरक्षण उपायों की कमी है। मैं चाहे सोलर फेंसिंग की बात करूं या मजबूत बाड़ लगाने की बात करूं, ऐसे अनेक उपाय हैं, जिनसे इन समस्याओं का समाधान निकल सकता है।

महोदय, इस गंभीर समस्या का समाधान निकालने के लिए सोलर फेंसिंग एक बहुत ही प्रभावी उपाय हो सकता है। विशेष वन्य जीव प्रबंधन के लिए सरकार के वन विभाग और कृषि विभाग के सहयोग से एक विस्तृत योजना बनानी चाहिए, जिससे जंगली जानवरों की बढ़ती संख्या पर भी नियंत्रण हो सके और प्रशासन के समन्वय के साथ उनकी समस्या का संज्ञान भी लिया जा सके। इसके साथ ही, जंगली जानवरों के लिए वैकल्पिक भोजन इत्यादि मुहैया कराने की जरूरत है और सामुदायिक भागीदारी के स्थानीय निगरानी तंत्र को भी सक्षम करने की जरूरत है।

महोदय, यह केवल मोरनी हिल्स क्षेत्र के किसानों की ही समस्या नहीं है, बल्कि जिन फॉरेस्ट एरियाज़ के आसपास किसानी होती है, वहां के किसानों को भी यही समस्याएं झेलनी पड़ती हैं। अतः मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि ...(**समय की घंटी**)...